तीसरा पाठ

घर

शिक्षण बिंदु

ऊ ू ग घ प य ह

ऊन — ऊ न

गाय — गा य

तराज़ू — त रा ज़ू

घर — घ र

पान

पा न

हल

ह ल

2. पहचानो और बोलो

ऊन	गमला	तराजू	पान	हल	घर	किताब
ग	पा	ह	जू	घ		

3. सुनो और पढ़ो

ऊन	घड़ा	गगन	गायक	पहला
जून	घड़ी	गमला	नायक	दूसरा
जूता	ताऊ	तबला	पालक	तीसरा
गीता	ताई	महीना	पालकी	तसवीर

शिक्षण संकेत

- श्यामपट पर **घर** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए विद्यार्थियों से बार-बार बुलवाएँ।
- इसी तरह **ऊन, घर, तराजू, पान, हल** के चित्र दिखाएँ। वर्णों की अलग-अलग पहचान करवाते हुए बार-बार बुलवाएँ।

4. **नीचे दिए गए वर्णों को लिखने का अभ्यास करो**

ऊ	ऊ
ग	ग
घ	घ
प	प
य	य
ह	ह

शिक्षण संकेत

- पहचानो और बोलो के अंतर्गत आए वर्णों को बार-बार बुलवाकर उनकी पहचान करवाएँ। इसके लिए वर्णों के फ़्लैश कार्ड का प्रयोग कर सकते हैं।
- अध्यापक खेल विधि का भी प्रयोग कर सकते हैं। सभी विद्यार्थियों के पास एक-एक वर्ण का कार्ड होगा और वे क्रम में खड़े होकर शब्द बनाएँगे।
- सुनो और पढ़ो के अंतर्गत श्यामपट/फ़्लैश कार्ड पर लिखे शब्दों को दिखाएँ। विद्यार्थियों से अलग-अलग और फिर एक साथ बुलवाएँ। इसके बाद कुछ विद्यार्थियों से चुने हुए शब्दों का वाचन भी करवाएँ ।
- दिए गए वर्ण विद्यार्थियों को सही बनावट में लिखना सिखाएँ और विद्यार्थियों से अपनी नोटबुक में भी लिखने को कहें।

5. रेखा खींचकर शब्द और चित्र का मिलान करो

कबूतर

पपीता

तालाब

पालकी

महल

तराजू

मटका

योग्यता विस्तार

- शिक्षण बिंदु में दिए गए सभी वर्णों को श्यामपट पर लिखें और विद्यार्थियों से इनकी पहचान करवाएँ। मात्राओं से बननेवाले शब्दों का भी अभ्यास करवाएँ।
- विद्यार्थियों से ग घ प ह य ऊ ू ँ की सहायता से अन्य शब्द बनवाकर बुलवाएँ। इन नए शब्दों को विद्यार्थियों से श्यामपट पर लिखवाएँ।

शिक्षण बिंदु

क्या यह/वह किताब है?
हाँ/नहीं यह/वह किताब नहीं है।

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थियों से जी हाँ/ जी नहीं वाक्य के साथ जोड़कर अभ्यास करवाएँगे।

अध्यापक *(किताब दिखाते हुए)* : क्या यह किताब है?
: जी हाँ, यह किताब है।
अध्यापक *(कॉपी दिखाते हुए)* : क्या यह किताब है?
: जी नहीं, यह किताब नहीं है।

2. अध्यापक बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे

अध्यापक	**विद्यार्थी**
क्या यह कलम है?	क्या यह कलम है?
हाँ, यह कलम है।	हाँ, यह कलम है।
नहीं, यह कलम नहीं है।	नहीं, यह कलम नहीं है।

इसी तरह कक्षा की अन्य वस्तुओं की ओर संकेत करते हुए।

3. प्रश्नोत्तर अभ्यास

अध्यापक अलग-अलग वस्तुएँ/चित्र दिखाते हुए प्रश्न पूछें और विद्यार्थी उत्तर दें

अध्यापक *(कॉपी दिखाते हुए)* : क्या यह कॉपी है?

विद्यार्थी: जी हाँ, यह कॉपी है।

अध्यापक *(हल का चित्र दिखाते हुए)*: क्या यह तराजू है?

विद्यार्थी: जी नहीं, यह तराजू नहीं है। यह हल है।

अध्यापक *(घड़ी दिखाते हुए)*: क्या वह घड़ी है?

विद्यार्थी: जी हाँ, वह घड़ी है।

अध्यापक *(दीवार दिखाते हुए)*: क्या यह दरवाज़ा है?

विद्यार्थी: जी नहीं, वह दरवाज़ा नहीं है। वह दीवार है।

अध्यापक *(दवात दिखाते हुए)*: क्या यह दवात है।

विद्यार्थी: जी हाँ यह दवात है।

अध्यापक इसी तरह गमला, अलमारी, किताब आदि अलग-अलग वस्तुएँ दिखाते हुए जी हाँ..., जी नहीं... वाक्यों का अभ्यास कराएँ।

4. **घड़े में से अक्षर चुनकर सार्थक शब्द बनाओ और नीचे लिखो, जैसे-**

गाना	*तालाब*
....	....
....	....
....	....
....	....
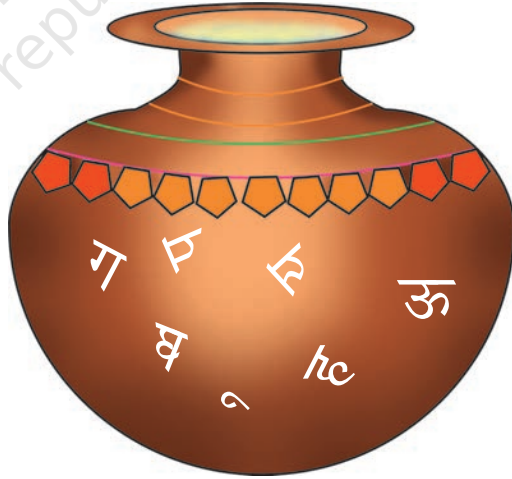
योग्यता विस्तार

- विद्यार्थियों के स्तर को ध्यान में रखते हुए उसके आसपास के नए-नए शब्दों और वस्तुओं को बातचीत का विषय बनाएँ।
- यदि नए शब्द प्रयोग में लाएँ तो उन्हें केवल मौखिक रूप में प्रस्तुत करें। उनके लिखित रूप विद्यार्थियों के सामने न लाएँ।
- मातृभाषा प्रभाव के कारण कुछ विद्यार्थियों के उच्चारण में गलती होने पर उसे न रोकें। विद्यार्थियों की सहज अभिव्यक्ति की प्रशंसा करें। धीरे-धीरे उच्चारण का मानक रूप बार-बार बोलकर सही उच्चारण सामने लाएँ।